न्यूज़ बुलेटिन :

सन्मार्ग

वर्ष–2 अंक–12

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की प्रस्तुति

मासिक – नवम्बर व दिसम्बर, 2023

कालीचरण पी०जी० कॉलेज

हरदोई रोड, चौक, लखनऊ–226003

(लखनऊ विश्वविद्यालय)

सत्र का उद्देश्य

- पढ़ने और सीखने की प्रवृत्ति को रूचिकर बनाना
- शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
- देश और मानवता के हित में अपने को योजित करना
- नैतिक और धार्मिक मूल्यों का अवगाहन

प्रबन्धक

इं0 वी0 के0 मिश्र

प्राचार्य

प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय

सम्पादकीय

सम्पादक

राजीव यादव

उप–सम्पादक

नितिन कुमार सिंह

सहयोग

पुष्पेन्द्र कुमार

Events at College

5 नवम्बर, 2023 को महाविद्यालय के छात्र इस्लाम अली ने लखनऊ ऑफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

7 नवम्बर, 2023 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा सामुदायिक कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम– शिवदासपुर, मलिहाबाद में जागरूकता रैली निकाली गयी। जिसमें एम0ए0 के छात्रों द्वारा डेंगू से रोकथाम विषय पर नुक्कड़ नाटक भी किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र विभाग अध्यक्षा डॉ0 अल्का द्विवेदी, डॉ0 मंजुषा अवस्थी और डॉ0 अनीता आर्या उपस्थित थीं।

21 नवम्बर, 2023 को महाविद्यालय में NGO 'एक कोशिश ऐसी भी' की तरफ से छात्राओं को सेनेटरी पैड वितरित किया गया। इस अवसर पर NGO की निदेशक वर्षा वर्मा और महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ0 अल्का द्विवेदी उपस्थित थी।

28 नवम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत अन्तर–महाविद्यालयी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता का विषय "भारत एक उभरती हुई महाशक्तिः सम्भावनायें एवं सीमायें", पर्यावरण प्रदूषण : जानलेवा चुनौतियों का कैसे करें सामना" और सयुक्त राष्ट्र संघ एक असमर्थ संस्था बन चुकी है?" था। इस प्रतियोगिता में 44 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें नवयुग कन्या महाविद्यालय की अनिका मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री गुरू नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज की मुब्बशिरा और आयुषी त्रिपाठी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सांत्वना पुरस्कार कालीचरण महाविद्यालय की रोली यादव, नव्या राज यादव को और एक्जान डिग्री कॉलेज के रिद्धी सिंह को दिया गया।

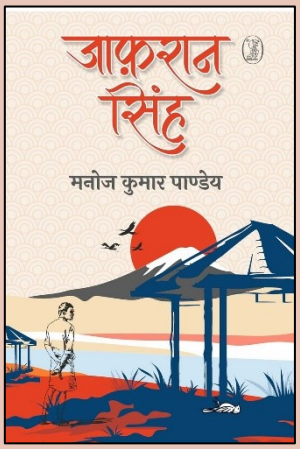

हिन्दी विभाग के प्रो0 मनोज कुमार पाण्डेय की पहली पुस्तक "जाफरान सिंह" प्रकाशित हुई, जिसमें कुल 29 कहानियाँ हैं। 'जाफरान सिंह' कहानी संग्रह के केन्द्र में मानव जीवन है। मानव–जीवन की सांस्कृतिक, सामाजिक, वैयक्तिक एवं बहुतेरी स्थितियों–परस्थितियों को घटनाओं, पात्रों एवं किस्सागोई के विविध स्वरूपों के माध्यम से उकेरा गया है। प्रायः कहानियाँ छोटी–छोटी ही हैं जिनमें कम–से–कम शब्दों में अधिक से अधिक बयान करने की कोशिश की गयी है, जो हमारे मन–हृदय पर दस्तक दे सके। बकौल कहानीकार–प्रो0 मनोज कुमार पाण्डेय के शब्दों में कहा जाये तो "कहानी से मेरा परिचय भी वैसे ही हुआ जैसे साधारण परिवारों के सामान्य बच्चों को होता है। अम्मा की कहानियों से दादी के किस्सों से नानी की धार्मिक कथाओं से और नाना के व्यावहारिक लोक–जीवन के कथानकों से। सभी की कहानियों में कही भगवान थे तो कहीं देवी–देवता, कही बड़े राजे–महाराजे थे तो कहीं जादूगर परियाँ।" इन सभी का प्रभाव मनोज पाण्डेय की कहानियों में दिखाई देता है। इनकी कहानियों में लोक जीवन के चरित्र, लोक भाषा और बेबाक बयानी के साथ–साथ, प्रवाहमयता है जो पाठकों को बाँधे रखती हैं।

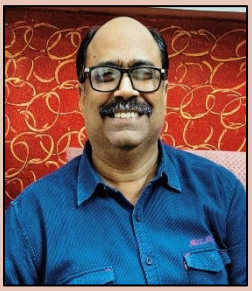

28 नवम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ के स्वर्ण जयंती समारोह के अन्तर्गत अन्तर महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता, जिसका विषय 'सोशल मीडिया वरदान या अभिशाप' का आयोजन बाबू श्यामसुन्दर दास सभागार में किया गया। प्रतियोगिता का आरम्भ सरस्वती की प्रतिमा का माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जिसके शुरूआत की घोषणा आदरणीय प्रबन्धक इं0 वी0के0 मिश्र ने अपने आर्शीवचन के साथ किया और कहा कि सोशल मीडिया आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय ने प्रबन्धक और अतिथितियों के स्वागत वक्तव्य के साथ कहा कि विषय ज्वलन्त है। विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए इस तरह की प्रतियोगिता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रतियोगिता में कुल 11 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय की टीमों ने प्रतिभाग किया जिसको सुनने के लिए 50 से अधिक श्रोता सभागार में मौजूद रहे। सोशल मीडिया कैसे जीवन को दिशा देने के साथ–साथ समय का क्षरण कर रहा है, इस पर सारगर्भित विचार आयें। निर्णायक मण्डल की भूमिका में डॉ0 सलिल तिवारी, राजकीय कॉलेज महमूदाबाद, डॉ0 अमिता यादव, कृष्णा देवी गर्ल्स कॉलेज और डॉ0 अभिषेक कुमार सिंह, के0के0सी0 लखनऊ रहें, जिन्होंने प्रतियोगिता में सर्वोच्च टीम अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ को घोषित किया। दूसरे स्थान पर नवयुग कन्या महाविद्यालय की टीम रही तथा तृतीय स्थान पर श्री गुरू नानक गर्ल्स डिग्री कालेज,लखनऊ की टीम रहीं। कार्यक्रम का आयोजन और संचालन डॉ0 अरूण कुमार यादव ने किया तथा तकनीकी सहयोग डॉ0 मुकेश कुमार मिश्रा ने और व्यवस्था का संयोजन डॉ0 राजकुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का निर्देशन सांस्कृतिक समिति की समन्वयक डॉ0 अल्का द्विवेदी ने किया।

29 नवम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में स्वर्ण जयंती समारोह के अतर्गत बुधवार को रंगोली, मेहंदी और

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भारतीय त्योहार विषय पर हुई रंगोली प्रतियोगिता में श्री गुरू नानक गर्ल्स की टीम ने पहला, नवयुग ने दूसरा और केकेसी की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में केकेसी की टीम पहले, कालीचरण कॉलेज की ए टीम दूसरे व बी टीम तीसरे स्थान पर रही। भारतीय संस्कृति पर हुई मेहंदी प्रतियोगिता में

12 कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसमें पहला स्थान ए0पी0 सेन गर्ल्स की टीम, दूसरा स्थान अवध गर्ल्स और तीसरा पुरस्कार श्री गुरू नानक गर्ल्स को मिला। फुटबाल प्रतियोगिता मे बी0ए0 की टीम ने 2–1 से बी0कॉम को हराया।

1 दिसम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य डॉ0 दिनेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल व पूर्व न्यायाधीश यूके धौन उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज ने अपने सात पूर्व छात्रों को सम्मान देने के साथ–साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावियों को 56 स्वर्ण, 56 रजत और 56 कांस्य पदक देकर पुरस्कृत किया गया। समारोह में महाविद्यालय की पत्रिका 'वाणी' और इंटर कॉलेज की पत्रिका 'भारती' का विमोचन भी किया गया। प्रतियोगिता के विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि डॉ0 दिनेश शर्मा ने कॉलेज से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। कहा कि पूर्व मंत्री स्व0 आशुतोष टंडन 'गोपाल जी' ने कॉलेज को आगे बढ़ाने और बाबू जी के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया था, लेकिन दुर्भाग्य है कि व हमारे बीच नहीं हैं। हम सबको मिलकर उनके सपनों को साकार करना चाहिए। डॉ0 शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी क्या चाहता है? इस बात को केन्द्र में रखकर शिक्षा देनी चाहिए। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि इस कालेज से विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों ने राम रोशन किया है। कार्यक्रम में स्व0 आशुतोश टंडन के छोटे भाई अमित टंडन, प्रबंध समिति के सदस्य निर्मल सेठ, प्रबंधक वीके मिश्रा, प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय, कॉलेज के प्राचार्य अनिल कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। इन पूर्व छात्रों को किया सम्मानित – प्रो0 एनके मेहरोत्रा, डॉ0 सुजीत कुमार जायसवाल केएनआइटी, शिक्षाविद आनन्द सरवन, फुटबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी इमरान खान, हैंडबाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अंकित श्रीवास्तव, पार्षद अनुराग मिश्रा को सम्मानित किया गया।प्रो0 एन0के0 मेहरोत्रा की जगह उनके बेटे प्रो0 सुधीर मेहरोत्रा ने यह सम्मान लिया।

विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति – छात्र–छात्राओं नृत्य, वादन, गायन सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। अंग्रेजी विभाग की ओर से नाटक का मंचन किया गया । विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाई।

07 दिसम्बर को कालीचरण पी0जी0 कॉलेज में स्थापना दिवस के दस दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला में समापन सत्र के दौरान विज्ञान संकाय में विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) के प्रो0 रमेश शर्मा ने दीर्घायु होने में उचित पोषण की भूमिका विषय पर कहा कि हमे खानपान में सभी पोषक तत्वों को उचित मात्रा में लेना चाहिए। व्यक्ति जैसा भोजन करता है, वैसा ही उसका मन होता है।

डॉ0 मानवेंद्र त्रिपाठी ने डेंगू और उसके लक्षणों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो0 प्रमोद टंडन और पद्मश्री प्रो0 वीना टंडन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रबंधक इं0 वी0के0 मिश्र, प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय और शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

~श्रद्धांजली~

दिनांक 09.11.2023 को पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा विधायक, कालीचरण महाविद्यालय के प्रबंधन समिति के सदस्य आशुतोष टण्डन जी का स्वर्गवास हो गया। महाविद्यालय द्वारा दिवंगत आत्मा के प्रति भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गयी।

Teacher's Corner

शिक्षक दर्शन

कभी-कभी मन में यह प्रश्न उठता है कि दर्शन क्या है? वास्तव में दर्शन प्रत्येक जिज्ञासु व्यक्ति के अंतरमन में निहित है इस दृष्टि से तो किसी कार्य को करने से पूर्व ज्ञान तथा सत्य की खोज करना और उसके वास्तविक स्वरूप को समझने की कला ही दर्शन है। जो व्यक्ति ज्ञान को प्राप्त करने में नए-नए विचारों तथ्यों बातों को जानने समझने में रुचि प्रकट करता है, वह दार्शनिक है। जब बात शिक्षक की हो तो यह सत्य है कि दर्शन का शिक्षक के व्यक्तित्व और उसके व्यवहार से घनिष्ठ संबंध होता है। प्रत्येक शिक्षक के अपने कुछ जीवन मूल्य धारणाएं आदर्श एवं उद्देश्य होते हैं, जिनकी महानता में उसे अटल विश्वास होता है और अपने छात्रों को शिक्षा प्रदान करते समय वह बार-बार उन आदर्शों और मूल्यों पर प्रकाश डालता है, जिससे प्रभावित होकर छात्र भी अपने जीवन में उन दर्शनों को आत्मसात करें। अतः एक शिक्षक का जीवन दर्शन ऐसा होना चाहिए जो छात्रों के शैक्षिक चारित्रिक आध्यात्मिक सामाजिक तथा नैतिक गुणों को विकसित कर उनके व्यक्तित्व को इतना प्रभावशाली बना दें, कि उनके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति उन छात्रों के चरित्र से प्रभावित हो। एक शिक्षक को एक श्रेष्ठ चिंतक भी होना चाहिए कि वह अपनी अन्वेषणात्मक शक्ति तथा तर्क द्वारा अपने देश तथा काल की आवश्यकता के अनुरूप विचारों का चयन कर शिक्षण करें। क्योंकि एक आदर्श शिक्षक ही आदर्श समाज का निर्माता है। बिना आदर्श के जीवन व्यर्थ है।

डॉ० रश्मि मिश्रा
प्रवक्ता (वाणिज्य विभाग)
कालीचरण पी .जी. कॉलेज लखनऊ